प्रभात खबर
www.prabhatkhabar.com

ऑनलाइन आवेदन का क्रेज

गांवों तक पहुंची आरटीएस की बयार

पटना : आरटीएस की ऑनलाइन सेवा की लोकप्रियता अब गांव-गांव तक पहुंच गयी है.अब लोग ऑफ़लाइन में आवेदन करने के बजाय वसुधा केंद्रों में जाकर आवेदन देना ज्यादा पसंद करते हैं. युवाओं में इसके प्रति ज्यादा ललक देखी जा रही है. इसका लाभ उन्हें यह मिलता है कि प्रखंड कार्यालय का उन्हें दो बार चक्कर नहीं लगाना पड़ता है. इसकी लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि लोग इसकी तकनीक के बारे में जानना चाहते हैं.

इसका प्रमाण यह है कि पिछले एक पखवारे में ऑफ़लाइन सेवा में मात्र एक लाख 10 हजार आवेदन ही दिये गये हैं और ऑनलाइन सेवा के तहत 1.75 लाख से अधिक लोगों ने आवेदन दिया है.

नौकरी के लिए ज्यादा डिमांड

बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन के अधिकारियों के अनुसार पूरे राज्य में 30 जनवरी से नौ फ़रवरी तक 2.55 लाख लोगों को प्रमाणपत्र दिया गया है. इसमें आवासीय प्रमाणपत्र की संख्या ज्यादा है. अधिकारी बताते हैं कि अस्थायी आवासीय प्रमाण पत्र की वैधता दो वर्ष तथा आवासीय प्रमाणपत्र की वैधता स्थायी है. जनवरी माह में सेना और अन्य सरकारी सेवाओं में प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गये थे. उसमें आवासीय प्रमाणपत्र भी देना पड़ता है, इसलिए इसकी ज्यादा मांग रही है. इसके बाद जाति प्रमाण पत्र की मांग ज्यादा है